ॐ यन्त्रा ब्रह्मगणसमान श्रवणमात्रेण भवयवाञ्छालि ॥ ॐ
॥ १२ ॥ ॐ ॥ वागणसमान श्रवणमात्रेण ॐ ॐ ॐ नमः श्रवण
॥ सान्निध्यं श्रवणालि ॐ नमो गणपतये वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा ॐ ॐ ॐ नमो गणपतये
ॐ ॐ ॐ वरवरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा ॐ ॐ ॐ ॥ ॐ ॥ एकदन्तं विघ्नविनाशनं
एकदन्तं विघ्नविनाशनं ॐ ॥ लम्बोदरं शूर्पकर्णं गजवक्त्रं चतुर्भुजं पाशाङ्कुशधरं
ध्यानेत् ॐ ॥ लम्बोदरं शूर्पकर्णं गजवक्त्रं चतुर्भुजं पाशाङ्कुशधरं ध्यायेत् ॐ ॥

386 I

॥ १४ ॥ ॐ ॥ त्रोंगरुलविद्यालहृऊमाता॥ गऊजिनऊर्द्धरा॥
धरियाकमलवृलिंगऊंगवावारऊमवूकनलिकूयवत्रिंऽलवामख
लागकरा॥ ॐ ॥ श्रीसम्वनायवाक्कणिऊक्काऊम्वनावनमानयिन
वापियायिनमायासहगुरुऊवलवलीवा॥ ॐ ॥ यागवक्कमणुक्का
दंडाकाय धरियाऊतनशिवमाला२विव्वकलिंगऊंकवन्द्रऊठाह
नव्याघ्रवर्म्मयकमूद्रा॥ ॐ ॥ आलिंऽपत्मारुवायियिनव्वनका

॥ १५ ॥ ॐ ॥ त्रोंगरुलविद्यालहृऊमाता॥ गऊजिनऊर्द्धरा॥
लिनाजिदिनमूद्रा२नीलरीकनाहिकनकामयवडमूखऊलिवी
कलात्रन॥ ॐ ॥ कऊलिसवीनवीनश्वनायकलिन्विकमरुकिना२
कवदानदानाहिकनकामयवडमख ऊलिविकनावन॥ ॐ ॥
॥ १६ ॥ ॐ ॥ त्रोंगरुगऊगी॥ कावेमा०॥ मऊनिऊलऊलिवा
यूमऊलऊयलिंऊघीरमनू२नानावत्तमयकलिंगऊंग गऊसह
धासमवनमामिरधीगुवऊसत्त॥ १ ॥ ऊनगगुनानिधिसागवा

विश्वनाथविश्ववाणिगुरु॥त्रिभुवनसंयुक्तिका॥ ॐ ॥आकाशवर्णं
मुखनयनसविशालवक्त्रं०वनिता२त्रिलोकसदृशं सुस्थलं नत्व
मकुटशिरं कुण्डलसंविवल्लं सत्यपर्यं कमिलो॥वक्त्रद्वियं
द्विगजत्वादि नत्वं मंडलसंयुतं॥ ॐ ॥हृदियमाद्विगगावयि
विलासवक्त्र॥श्रीउत्तिन्नज्ञनशिल विद्धिसिद्धिवरदाता सत्व
क्तिनक्षनरुवरदाता॥—७॥ १ग ॥ दृष्टेः ॥
१वामवामकस्थि॥ठावकमाथाकमलविकाशितस्थितिदृयासन

ॐ सूर्यधाराद्वयसमरूपा॥ २ ॥वज्रवदनकूर्मवरदलसमनस्क
एकाष्ठिम नमोमिश्रीश्रमहासिद्धीसकलगुरुभ्यःसर्वज्ञ
कूर्मशिरकनक्षानमाकूर्मधारा सर्वक्षानसागरा॥ ॐ ॥
एथमकनदयकालिकवज्रधेभमद्रा आलिंगनविनाडिका
द्वितीयपंडावनलोयक्षनस्कंध चतुर्थवक्त्र सर्वक्षतधरा
॥ ॐ ॥डरायगुरुपाद्मभुवन वतुर्थवामवक्त्रयुक्तका२
वनानमकूर्म डिरयकालिका कालिकाकिंकिंधयक्षकूर्माक्ष

वृविवरा ॥ ॐ ॥ निद्धुविवृद्धिदायिनिसिद्धरूपिता सर्वरूक्षा
ननिधिरुक्वयदाता ॥ ॐ ॥ ब्रह्मसवर्णासनदाधोलगलापवमाय वऊ
ऊर्म्मनि ॥ ॐ ॥ ७ ॥ १० ॥ त्यागलीला ॥ कालाग्निदग्धसि
न जूरकारयशिलमोलिनि सिद्धिकालिऊलजिविस्वने सर्वलि
वाकलकालिलकालजूरुनागरुनगकाशूलवलू जरासनरु
यरूवणी सरदृक्षऊन मालवलमद्दनीपापरूनेन ॥ ॐ ॥

यक्षिनकवाणिधन पवसुयनायदा वनऊरूक्यवमविस्मगिगमनी ॥
वामखड्गीगधन ब्रह्मकपावा रुवसमूदाभावडामरूपाणि ॥ ॐ ॥
थालकुन्दलविल जूरुगरुदाविन्दुदक्षाक लालवदनी ॥ ॐ ॥
या धवर्मनिवासननवलमाला जलिवलियादकिसिद्धिसरु
ला ॥ ॐ ॥ गावकसवगवऊगुनूगलव्यायिनदृढरावनासन
सिसानरूनीना ॥ ॐ ॥ बुद्धधर्मसासन सिंघयविलरूपा छाम

हाकानमस्वयाहसनदा॥ ॐ ॥ ७ ॥ १८ ॥स्वागतंसर्वदा॥
॥ ॥कानमो०॥द्विभुजद्विसर्वकिनीनयनाहमधूकसमादिग
न्धवा॥ ॐ ॥कैनाकाकैनाकाकैनाका॥वामकराटकरहिनकैवलिहस्त
जारुवदाविलेखाका॥ ॐ ॥सूर्य्यमंडलमाश्रयाश्रयुवमूर्त्तिहनवासिन
मारसरोजालिका॥ ॐ ॥सकलसर्ववरदाशिवंकरीयोहवऊवाचादि
ज्वालिकिका॥ ॐ ॥ ६ ॥स्वागतमालक्ष॥कानमो०॥वज्रिघावाव

ज्वालिना२सिद्धिनीव्याप्तिनीऊम्बकडलाकिनी॥ ॐ ॥नमामिद्धीया
म्बवल्लानध्वी२जिनिनरदवीजिभुवनयविस॥ ॐ ॥पूरवडल
नयस्थिमदक्षिणादिगदवी२अकिनीदिकिनावडसिकम्बाकिनी॥ ॐ ॥
वज्रनदिगठक्रकुलनठदवी२जिनिजिनिनदवीनावयेनुदवी॥ ॐ ॥
हविरुवब्रह्मोछन्दऋसवगनयादवायागिनीसमवसरावा॥ ॐ ॥
॥ ६ ॥ २० ॥स्वागतंवी॥कानयप॥पेश्वरथागमालियान

स्याहा वान्विलेख्वयाहरुगाद्गावलद्रुरुवन्क्रानयक्रियवि
घ्निवान्वयाहा ॐ ॥ ॐ क्रूँवानवीरभ्वव्वेयिभ्वन्मनसमाव
विभ्वस्वाहा ॥ ॐ नक्रूकावव्वलिदानवाक्रानयक्रिछुरुजवगावय
याहा ॥ ॐ ॥ एह्वेवावनदक्षिनवत्वस्रुव्वपश्चिमज्रमिलाख्याप्ति
यान्डलनज्रमाघसिद्धिमाव्वज्रकोये चोमिमानवडवाणियान
॥ ॐ ॥ समाधिश्रीसम्वत्मावकालेक्रुवडकायविभ्वस्वाहा२

॥ ॐ ॥ २१ ॥ रागकङ्कवालानइङ्गमान॥ज्रुक्रिघानवदन
ज्रुक्रिकागमन्वक्रिरुज्जालुवडारुखिमदरुा ॥ ॐ ॥ कनाकाक्कनाक२
नमोसिद्धीखेङ्गमरुाकाला ॥ ॐ ॥ दहिनकानक्रिखङ्गमरुाघ्रुला२
खपरमरुुमालव्याघ्रवर्म्मरुमिला ॥ ॐ ॥ सकलमानवल्लरुपो

निरुकारस्वनवन्दिगरुवरुयरुवदा॥ ॐ ॥माद्धिसिद्धिवृलदा
यकरुवारजिणुवनवीराडीमरुकावडावदा॥ ॐ ॥ ६७ ॥
॥ २२ ॥स्वागमानव॥माल॥महुलसमयवक्रमहुलसमहु२
हाडबंसुजवडवारुवयन॥आनन्दुकरुडीसम्वरयागीना२डीयावि
स्कवाडवीमारुडीया॥ - ॥डाकिनीवामाखलुवारुवयिनी२स्वानि
मानवडवारुवयन॥ ॐ ॥कायवाद्धिरुजिनिरुवन२डानयागि
यागुरुजुवमारुवया॥ ॐ ॥यागयागिनामवीसमनसलाव

जूरुडानडीनडीरुवव॥ ॐ ॥ २३ ॥स्वागवबाडि॥गावमा०॥
वामबयवधनदरिनकलगि२ यायवनायवमुलुमालरुयिमा॥ ॐ ॥
नावयिनकऊडीवऊयागिनी२जिनिनउदवीजिरुवनायित॥ ॐ ॥
रुलसम्भनदवीनिवउनदवी२शुन्ययाउदवीशुन्यसीलाव॥ ॐ ॥
कालमरुकरुयियडावबन्धिया२यागधबमारुकवानिनरुडा॥ ॐ ॥
डरुद्धिसिलवगानजिवानिदवी२माकमागदवीउरुकपयिगावदो॥ ० ॥
॥ ॐ ॥ २४ ॥स्वानजुगमा०॥ रुदलकमलवनकुसमसयव

मयूरगमनवीणाशब्दविजयाकनकखगमृगदंडीमंजनपादमंजी
रिणी ॐ नमामिनेनात्रिभुवनमाता वक्त्रनादवीणामृग
शृंगिशरभसयनसनवन्दिकवनते जूनगमाद्रिसिद्धिवलयदाणी ॐ
नन्दनवनमिववल्गनगूढ जूनगकुसुमयालिजागवन शिख
रशासमवागमणिगीत जूनगगीथशैनिर्मला ॐ जूक्ष
लवजूक्ष्यागीनीदवी जूनगदवासनकृष्णकृष्णपालशूक्ष्मक
रुपदृष्टिगतिनिवारूदी जूनगविम्बनिवारूदी ॐ विश्व्या

पिनाशूलधारिणी जूक्ष्यनिवशूनआत्मिमय शूक्ष्मिमगसखरूल
दायनी ऊलमऊनमऊशूसवदमगत ॐ ॥ २७ ॥ ६४७ ॥
योगनाथ ॥ गावशूऊमान ॥ वाग्विवलवापायेवडमाना शूर्धवय
नमखण्डितयन ॥ नाद्यविरूवनेनात्मादीसक्षिणा शूक्ष्मयोगानी
चेयोशूवमाग ॥ ॐ ॥ शिवूवलगधातुशूऊलन शूद्याघ्रवन
मधनीपिंगलकेशा ॥ ॐ ॥ वक्त्रीकूण्डलकाण्डिवावक्त्रमधना शूविद
तिविभावनदोनिजूलकृता ॥ ॐ ॥ शमदर्पणमनसरूऊज्ञानन्द

386 I

म्मसमूहश्च॥ ॥कमाइग्निमूरवरेकानाह यवरुलयमाग॥ ॐवज्रवज्री
विलावा॥ॐजूग्वयस्वाहा॥ घृत॥ॐजूपामिरुगवजायस्वाहा॥
कूच॥ॐजूक्षीकायस्वाहा॥ जूक्षीमि॥ॐवज्रसामायस्वाहा॥यला
ऊसि॥ ॥ॐवज्रोग्नयेस्वाहा॥ खयनासि॥ॐवज्रवृद्धायस्वाहा॥
जूयामाग्नासि॥ॐवज्रवूववायस्वहा॥ वूलिसि॥ॐवज्रायस्लायस्वा
हा॥ ईवीलासि॥ॐवज्रगनीभ्वनायस्वाहा॥ समीकंथसि॥ॐवा

धिवृकायस्वाहा॥वैलंगमासि॥ॐवज्रलकायस्वाहा॥पिलाषसि॥
ॐवज्रवीघ्रायस्वाहा॥वज्रागनूसि॥ॐमधनस्वाहा॥मधनसि॥ॐ
जूम्बकायस्वाहा॥ जूम्बयसि॥ॐसर्वेषुएसमनायस्वाहा॥वंकीथसि
॥ॐवज्रसकलायस्वाहा॥ जूम्पसि॥ॐसर्वेकडाएचामनायस्वाहा
॥कैदैवनसि॥ॐसर्वेकगसमायकानोस्वाहा॥गस्लावसि॥
ॐजूपामिरुगवजायस्वाहा॥कृग॥ॐवज्रयूय्यस्वाहा॥ ज्ञानाल

॥ ॐ सर्व्वयाय स्वाहा ॥ यायप स्वाहा ॥ कामल ॥
ॐ वज्रयमाय स्वाहा ॥ ज्रक्ष ॥ ॐ वज्रवमनाय स्वाहा ॥ गक्ष ॥ ॥
ॐ वज्रघस्मनाय स्वाहा ॥ माथक्ष ॥ ॐ वीज्ञारुवाय स्वाहा ॥ स्थानव्वा ॥
ॐ विज्ञारुवाय स्वाहा ॥ यूवा ॥ ॐ वज्र नरुावल्लाद स्वाहा ॥ मास ॥ ॐ म
रुयावाय स्वाहा ॥ स्वाग ॥ ॐ वज्र कलालवस्वाहा ॥ कलम्भ्रुवि ॥
ॐ वज्र कुमावाय स्वाहा ॥ कालथ ॥ ॐ वज्रमृगमय स्वाहा ॥ मृग ॥

ॐ रु वाय स्वाहा ॥ उमियरु ॥ ॐ वज्र लाज्ञाय स्वाहा ॥ म
या ॥ ॐ सर्व्वार्थसिद्ध स्वाहा ॥ निकायका ॥ ॐ सर्व्वसियदसाय स्वाहा ॥ का
ज्ञाय निज्ञा ॥ ॥ ॐ वज्र वियर्कमाय स्वाहा ॥ पिवैन्ज कुसम ॥ ॥
ॐ ज्ञावज्रादर्शलक्ष्मी स्वाहा ॥ ल्स्य ॥ ज्ञ नाभिगत्वन रुाल
वा ॥ ॐ ज्ञाक्ष स्वाहा ॥ थन ज्ञ्मितिमान विय ॥ ॐ वज्र सत्व ज्ञा
ज्ञाटयाक्षमयनय क्ष रुद्र श्री वज्र सत्व ज्ञा ॥ ॥ पैवाय स्वाहा वयूज्ञा

॥ ॥ओंग॥ ॥ॐ॥ ॥थनस्वस्तिवाकनजाङ्कणिविय॥ॐजूम्नय
जादायविद्याविषयरक्षाक्षेत्रव्यकर्यवारुनायदानयनजजना
नयेऽमन्किकनरखारु॥ ॥यैवायरक्षानयङ्का॥ ॥ॐनिसुथमा
ङ्कणि॥ ॥थनस्थानाङ्कणिसिखलीखनरक्षाय॥ॐवऊनङ्कङ्क॥ ॥
गगावङ्कनावमनादिकैकरुत्वा॥ लाकारुनैस्थानाग्निविरावय॥ कालो
कालाग्नेयङ्कदिकैमलवज्रासनायनिमऊलाधिपणिवाऊनिव्य

ल विङ्कविजयविगमन मऊलाधिपणिसमाऊलयैविरावया॥ ॥
ज्ञानसत्वेवजोङ्कङ्गादि आङ्कस्वपवेश्य वज्रा सत्काषाङ्कोलनी
लग्निवसमयसत्वन सरुपीकृत्वा॥ पाद्यावमनादिकैकृत्वा॥ ॥
यथान्यास॥ यैवायरक्षानयङ्का नासाग्रङ्कुवारुनङ्कणि॥ ० ॥
गगारग्निजिकायाङ्कं कानेदाङ्कुङ्कवर्ङविरावय॥ मलस्वैरुव्यादिकै
मूलमन्त्रवांङ्गङ्कयात॥ ॥सिनकाताग्न्य जायनस्वरुदाय स्वाम्

कनशाथिय॥ पैवायरुनयूजा॥ ॥ॐगिस्तानाङ्गि
लुकलासर्वसल वसेकलिॐदवलिमङ्क२ पूज्यवयदि
प पैवाकनै दशाम्यङ् सर्वदेवनागडाङ्क गेधर्वा सवगनऊकिन्नल
महालगादि ऊर्थेवयथासूङ्ग्रेथ पिवथङ्गिगथ ममसर्वनासिधि
यय ॐजाः ङ्कङ्खाहा॥ ॐनिक्राधवलि॥ ङ्गवा॥ ६ॐ ॥
थनमाला ङ्गिङ्गवसा॥ आगमनियूजायोयथ॥ ॥ ७ ॥

सिन्धुयूजानि॥ थनपिगवलि काठवलिविय॥ थनपैवधानाङ्गा
यथनि थायनयाय खणिकसखान डोखलेखनङ्गाय॥ आयस्थ
ननकुवक॥ सिवभारुलि कंकायाव आगनतस्पि कमाकजुन
गुरुपैरुगिनलिवक॥ पैवधानाङ्गायः॥ आयनवाडाय॥ आयं
वावालनाव नग्वजवानस्पीआङ्गिविय॥ पैवा ङ्गावयूजा॥
थनआवूवलिनक निङ्गायन्वाधनक॥ शिष्यथगिस्ताया॥ ८ ॥

घारुलामल ॥ ॐ जयजयकूँ स्वाहा ॥ सीखब्रु ॥ ॐ ह्लन यक्षायस्व
हा ॥ लेमलवकन ॥ ॐ सर्ववज्रायक्षसायम्लास्व ॥ नसाकवकन ॥ ॐ
वज्रायय्यस्वाहा ॥ इच्चिकुल्ल ॥ ॐ सच्चेलोमंयसमनोयस्वाहा ॥
वाघ्रकका ॥ ॐ सर्वपकननस्वाहा ॥ पक्कवान ॥ ॐ ज्ञाःवज्रा
म्लायस्वाहा ॥ ग्क्यम्लेम्लाल ॥ ॐ सयय्यसयकूलवलकलनाय
यूविकरस्वाहा ॥ यक्षउरुल ॥ ॐ वज्रवासस्वाहा ॥ ज्रज्रम ॥

ॐ यर्म्मयर्म्मराजकरु २ सर्वविघ्नान्व्रणाकिकूरुस्वाहा ॥ वज्रनग्दि
ॐ वज्रयक्षस्वाहा ॥ यनि ॥ ॐ ज्ञाःवज्रालाकिकीस्वाहा ॥ स्यायिन
ज्रजकीध कुसकाहन ॥ गव्यु रामल ज्राकय २ ॥ मूलमनुम
लक्षानं काय ॥ कर्प्पन ॥ खस्तीवः कनज्रूङ्गि ॥ ज्रग्नयज्रादिया
किंयाविंयाविंयमरुत्रायरुव्यकव्यवारुनाय जमुकेस्यपूर्वय २
यूर्ज्रूङ्गि सर्वज्रानिकूरुयूकिकूरुरुंरुंस्वाहा ॥ यक्षविलाव